वास्तुशास्त्रविभागीयः
स्नातकोत्तरवास्तुशास्त्रोपाधिः
(पी.जी.डिप्लोमा)
पाठ्यक्रमः

संशोधनदिनाङ्कः

12:02:2018– 13:02:2018

श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम्

(मानित–विश्वविद्यालयः)

कुतुबसांस्थानिकक्षेत्रम्, नवदेहली–110016

वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र - प्रथम पत्र

❑ इकाई - एक

- ❖ वास्तुशास्त्र का स्वरूप
- ❖ वास्तुशास्त्र का क्षेत्र
- ❖ वास्तुशास्त्र का उद्‌भव, इसके प्रवर्तक आचार्य
- ❖ वैदिक काल में वास्तुशास्त्र
- ❖ पैराणिक काल में वास्तुशास्त्र
- ❖ वास्तुशास्त्र के प्राचीन एवं नवीन ग्रन्थ
- ❖ विश्वकर्मा एवं मय की परम्परा

❑ इकाई - दो

- ❖ वास्तुशास्त्र की मूल संकल्पना
- ❖ पञ्चमहाभूत और उनकी वास्तु निर्माण में उपयोगिता
- ❖ पृथ्वी, जल, तेज, वायु एवं आकाश का परिचय
- ❖ प्राकृतिक–शक्तियाँ
- ❖ गुरूत्व–शक्ति, चुम्बकीय–शक्ति एवं सौर ऊर्जा

❑ इकाई - तीन

- ❖ वास्तु के भेद
- ❖ आवासीय–वास्तु
- ❖ पर्णकुटी, मिट्‌टी से बने कच्चे घर, ईंट और सीमेंट से बने पक्के घर
- ❖ महल, बंगले
- ❖ व्यावसायिक–वास्तु
- ❖ दुकान, शोरूम, कार्यालय
- ❖ धार्मिक–वास्तु
- ❖ मन्दिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, वापी, कूप–तड़ागादि

❑ इकाई - चार

- ❖ भूमि की गुणवत्ता
- ❖ मिट्‌टी का ठोस और चिकना होना
- ❖ भूमि के दोष

- ❖ रेतीली, दलदली, दीमक लगी आदि
- ❖ प्रशस्त भूमि के लक्षण
- ❖ भूमि की परीक्षा और उसकी चार प्रविधियाँ

❑ **इकाई - पाँच**

- ❖ भूमि का ढलान (प्लव)
- ❖ आठ वीथियाँ, गजपृष्ठादि वीथियाँ
- ❖ भूखण्ड के आसपास का क्षेत्र

पाठ्य-ग्रन्थ	**लेखक / सम्पादक**	**प्रकाशक**
१. भारतीय वास्तुशास्त्र १–२ अध्याय प्रथम–संस्करण	**प्रो० शुकदेव चतुर्वेदी**	श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली–१६
सहायकग्रन्थ		
२. भारतीय वास्तु विद्या २–३ अध्याय प्रथम–संस्करण २००४	**डॉ० बिहारीलाल शर्मा**	मान्यता–प्रकाशन, ६० सी, माया कुंज मायापुरी, नई दिल्ली–६४
३. वास्तुसार २–३ अध्याय प्रथम–संस्करण २००५	**प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी**	परिक्रमा–प्रकाशन, १/१३ पूर्वी गोकलपुर लोनी रोड, शाहदरा, दिल्ली–६४
४. वास्तुप्रबोधिनी	**डा. अशोक थपलियाल**	अमरग्रन्थ पब्लिकेशन्स, विजयनगर दिल्ली – ११०००६
५. गृहवास्तु - शास्त्रीय विधान	**डा. देशबन्धु**	विद्यानिधि प्रकाशन, खजूरीखास, दिल्ली – ११००६४

वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र - द्वितीय पत्र

❑ इकाई - एक

❖ कुआँ, बोरिंग, हैंडपम्प, भूमिगत पानी की टंकी, सेप्टिक टैंक

❑ इकाई - दो

❖ शुभाशुभ द्विशाल, शुभाशुभ त्रिशाल, शुभाशुभ चतुःशाल

❑ इकाई - तीन

❖ भवन का द्वार, मुख्य द्वार और सड़क से प्रवेश द्वार
❖ राशि के अनुसार द्वार का निर्णय, वर्ण के अनुसार द्वार का निर्णय,
❖ वास्तुचक्र के अनुसार द्वार का निर्णय, द्वार की लम्बाई एवं चौड़ाई,
❖ द्वार स्थापना का मुहूर्त्त

❑ इकाई - चार

❖ एकाशीति पद वास्तु, वास्तु चक्र एवं ब्रह्म स्थान, मर्म एवं अतिमर्म स्थान,
❖ आवासीय भवन में तलघर (बैसमेंट) एवं आंगन

❑ इकाई - पाँच

❖ आवासीय भवन में कक्षों का निर्माण
❖ पूजाघर, स्नानघर, शौचालय, रसोईघर, शयनकक्ष, भोजनकक्ष, भण्डारघर, दण्डगृह,
❖ औषधिकक्ष आदि परम्परागत षोडश कक्षों का निर्माण

पाठ्य-ग्रन्थ	लेखक / सम्पादक	प्रकाशक
१. भारतीय वास्तुशास्त्र ३–५ अध्याय प्रथम–संस्करण २००५	प्रो० शुकदेव चतुर्वेदी	श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली–१६
सहायकग्रन्थ		
२. भारतीय वास्तु विद्या ४–५ अध्याय प्रथम–संस्करण	डा० बिहारीलाल शर्मा	मान्यता–प्रकाशन, ६० सी, माया कुंज मायापुरी, नई दिल्ली–६४
३. वास्तुसार ४,५,७,८,१२ अध्याय प्रथम–संस्करण २००५	प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी	परिक्रमा–प्रकाशन, १/१३ पूर्वी गोकलपुर लोनी रोड, शाहदरा, दिल्ली–६४
४. वास्तुप्रबोधिनी	डा. अशोक थपलियाल	अमरग्रन्थ पब्लिकेशन्स, विजयनगर दिल्ली – ११०००६
५. गृहवास्तु - शास्त्रीय विधान	डा. देशबन्धु	विद्यानिधि प्रकाशन, खजूरीखास, दिल्ली – ११००६४

वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र - तृतीय पत्र

❑ **इकाई - एक**

- ❖ काल, काल का स्वरूप एवं मुहूर्त्तोपयोगी काल के एकादश भेद––
- ❖ १ वर्ष, २ अयन, ३ ऋतु, ४ मास, ५ पक्ष, ६ तिथि, ७ वार, ८ नक्षत्र, ९ योग, १० करण, ११ लग्न
- ❖ सौर और चान्द्र मास का अन्तर, अधिमास और क्षयमास के लक्षण

❑ **इकाई - दो**

- ❖ मुद्रित पञ्चांग का परिचय

❑ **इकाई - तीन**

- ❖ पञ्चांग द्वारा मुहूर्त निकालने की विधि।

❑ **इकाई - चार**

- ❖ वर्ग काकिणी विचार, ग्राम या नगर में किस ओर मकान बनाया जाय?
- ❖ भूखण्ड की लम्बाई, चौडाई और क्षेत्रफल का विचार

पाठ्य-ग्रन्थ	**लेखक / सम्पादक**	**प्रकाशक**
मुहूर्त्त-चिन्तामणि प्रथम–संस्करण	**प्रो० रामचन्द्र पाण्डेय**	कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
संदर्भ-ग्रन्थ		
१. मुहूर्त्त विज्ञान सम्पूर्ण	**प्रो० शुकदेव चतुर्वेदी**	
२. भारतीय वास्तु विद्या प्रथम–संस्करण २००४	**डॉ० बिहारीलाल शर्मा**	मान्यता–प्रकाशन, ६० सी, माया कुंज, मायापुरी, नई दिल्ली–६४
३. वास्तुसार ६, ११ अध्याय	**प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी**	परिक्रमा–प्रकाशन, १/१३ पूर्वी गोकलपुर लोनी रोड़, शाहदरा, दिल्ली–६४
४. वास्तुप्रबोधिनी	**डा. अशोक थपलियाल**	अमरग्रन्थ पब्लिकेशन्स, विजयनगर दिल्ली – ११०००६
५. गृहवास्तु - शास्त्रीय विधान	**डा. देशबन्धु**	विद्यानिधि प्रकाशन, खजूरीखास, दिल्ली – ११००६४

वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र - चतुर्थ पत्र

❑ **इकाई - एक**

❖ देवमन्दिर बनाने की इति कर्त्तव्यता, देवताओं के प्रिय स्थल; मन्दिर के लिये उचित भूखण्ड का चयन

❑ **इकाई - दो**

❖ मन्दिर निर्माण की दार्शनिक पृष्ठभूमि

❖ मन्दिर की विविध शैलियों का परिचय

❖ मन्दिरों के नाम – मेरू, मन्दर, कैलाश, विमानच्छद आदि २० मन्दिर और उनके लक्षण

❑ **इकाई - तीन**

❖ चतुःषष्ठिपदवास्तु चक्र और इसका परिचय

पाठ्य-ग्रन्थ	**लेखक / सम्पादक**	**प्रकाशक**
बृहद्-वास्तुमाला तृतीय अध्याय संस्करण १८८६	**पं० रामनिहोर द्विवेदी**	चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
संदर्भ-ग्रन्थ		
१. बृहत् संहिता **प्रासादलक्षणाध्याय**	**प्रो० कृष्णचन्द्र द्विवेदी**	सं.सं.वि.वि., वाराणसी
२. भारतीय वास्तु विद्या	**डॉ० बिहारी लाल शर्मा**	मान्यता–प्रकाशन, ६० सी, माया कुंज मायापुरी, नई दिल्ली–६४
३.देवालयस्थापत्यम्	**डा. देशबन्धु**	श्रीकृष्ण साहित्य सदन, सन्तनगर नई दिल्ली

वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

द्वितीय सत्र - प्रथम पत्र

- **इकाई - छः**
  - ❖ भूखण्ड का आकार
  - ❖ वर्गाकारादि २४ भेद
- **इकाई - सात**
  - ❖ भूखण्ड का विस्तार
  - ❖ भूखण्ड का कटाव
  - ❖ भूखण्ड के समीपवर्ती मार्ग
  - ❖ भूखण्ड की गोलाई
  - ❖ भूखण्ड पर वेध
  - ❖ कोणों में स्थित भूखण्ड
- **इकाई - आठ**
  - ❖ भूखण्ड की श्रेणियाँ
  - ❖ उच्च श्रेणी के भूखण्ड
  - ❖ मध्यम श्रेणी के भूखण्ड
  - ❖ साधारण श्रेणी के भूखण्ड
  - ❖ निम्न श्रेणी के भूखण्ड
- **इकाई - नौ**
  - ❖ शल्योद्धार और उसकी प्रमुख तीन रीतियाँ
- **इकाई - दस**
  - ❖ दिग् ज्ञान

पाठ्य-ग्रन्थ	**लेखक / सम्पादक**	**प्रकाशक**
१. भारतीय वास्तुशास्त्र १–२ अध्याय प्रथम–संस्करण	**प्रो० शुकदेव चतुर्वेदी**	श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली–१६
सहायकग्रन्थ		
२. भारतीय वास्तु विद्या २–३ अध्याय प्रथम–संस्करण २००४	**डॉ० बिहारीलाल शर्मा**	मान्यता–प्रकाशन, ६० सी, माया कुंज मायापुरी, नई दिल्ली–६४
३. वास्तुसार २–३ अध्याय प्रथम–संस्करण २००५	**प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी**	परिक्रमा–प्रकाशन, १/१३ पूर्वी गोकलपुर लोनी रोड, शाहदरा, दिल्ली–६४
४. वास्तुप्रबोधिनी	**डा. अशोक थपलियाल**	अमरग्रन्थ पब्लिकेशन्स, विजयनगर दिल्ली – ११०००६
५. गृहवास्तु - शास्त्रीय विधान	**डा. देशबन्धु**	विद्यानिधि प्रकाशन, खजूरीखास, दिल्ली – ११००६४

वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

द्वितीय सत्र - द्वितीय पत्र

❑ **इकाई - छः**

❖ आज के सन्दर्भ में ड्राईंग रूम, अध्ययन कक्ष, गैस्ट रूम एवं कार्यालय के लिए कक्ष का निर्माण

❑ **इकाई - सात**

❖ आज के सन्दर्भ में भवन निर्माण की समीक्षा, क्या सोलह कक्षों का आवासीय भवन आज उपयोगी है? छोटे प्लाट पर वास्तु सम्मत रचना कैसे की जाए?

❑ **इकाई - आठ**

❖ भवन में सोपान निर्माण, छत के ऊपर पानी की टंकियों की स्थापना, खिड़की, बरामदा एवं झरोखा आदि का निर्माण

❑ **इकाई - नौ**

❖ घर के समीप वृक्ष एवं वाटिका

❖ घर के समीप निषिद्ध वृक्ष, घर के समीप लगाये जाने वाले वृक्ष, तुलसी का महत्त्व

❑ **इकाई - दस**

❖ बहुमंजिले भवन, क्या बहुमंजिले फ्लैट वास्तु सम्मत बन सकते हैं?

पाठ्य-ग्रन्थ	लेखक / सम्पादक	प्रकाशक
१. भारतीय वास्तुशास्त्र	**प्रो० शुकदेव चतुर्वेदी**	श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली–१६
३–५ अध्याय प्रथम–संस्करण २००५		
सहायकग्रन्थ		
२. भारतीय वास्तु विद्या	**डा० बिहारीलाल शर्मा**	मान्यता–प्रकाशन, ६० सी, माया कुंज मायापुरी, नई दिल्ली–६४
४–५ अध्याय प्रथम–संस्करण		
३. वास्तुसार	**प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी**	परिक्रमा–प्रकाशन, १/१३ पूर्वी गोकलपुर लोनी रोड, शाहदरा, दिल्ली–६४
४,५,७,८,१२ अध्याय प्रथम–संस्करण २००५		
४. वास्तुप्रबोधिनी	**डा. अशोक थपलियाल**	अमरग्रन्थ पब्लिकेशन्स, विजयनगर दिल्ली – ११०००६
५. गृहवास्तु - शास्त्रीय विधान	**डा. देशबन्धु**	विद्यानिधि प्रकाशन, खजूरीखास, दिल्ली – ११००६४

वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

द्वितीय सत्र - तृतीय पत्र

❑ **इकाई - पाँच**

❖राहु मुख–पुच्छ विचार, खात की दिशा का निर्णय, खात की विधि

❑ **इकाई - छः**

❖गृहारम्भ का मुहूर्त, गृहारम्भ में त्याज्य मासादि, गृहारम्भ में पञ्चांग शुद्धि, वृषवास्तु चक्र

❑ **इकाई - सात**

❖गृहारम्भ के विभिन्न योग

❑ **इकाई - आठ**

❖गृहप्रवेश का मुहूर्त्त, कलशचक्र विचार, वामरवि विचार, पृष्ठस्थशुक्र विचार

पाठ्य-ग्रन्थ	**लेखक / सम्पादक**	**प्रकाशक**
मुहूर्त्त-चिन्तामणि प्रथम–संस्करण	**प्रो० रामचन्द्र पाण्डेय**	कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
संदर्भ-ग्रन्थ		
१. मुहूर्त्त विज्ञान सम्पूर्ण	**प्रो० शुकदेव चतुर्वेदी**	
२. भारतीय वास्तु विद्या प्रथम–संस्करण २००४	**डॉ० बिहारीलाल शर्मा**	मान्यता–प्रकाशन, ६० सी, माया कुंज, मायापुरी, नई दिल्ली–६४
३. वास्तुसार ६, ११ अध्याय	**प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी**	परिक्रमा–प्रकाशन, १/१३ पूर्वी गोकलपुर लोनी रोड़, शाहदरा, दिल्ली–६४
४. वास्तुप्रबोधिनी	**डा. अशोक थपलियाल**	अमरग्रन्थ पब्लिकेशन्स, विजयनगर दिल्ली – ११०००६
५. गृहवास्तु - शास्त्रीय विधान	**डा. देशबन्धु**	विद्यानिधि प्रकाशन, खजूरीखास, दिल्ली – ११००६४

वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

द्वितीय सत्र - चतुर्थ पत्र

- **इकाई - चार**
  - ❖ मन्दिर के भवन का निर्माण
  - ❖ मन्दिर के विविध अंग – मण्डप, जगती, मण्डोवर, गर्भगृह, देवप्रतिमा, विविध देवायतन, देव–वाहन, उत्तरंग, उदुम्बर, द्वार, द्वारशाखा, शिखर एवं मन्दिर ध्वज
- **इकाई - पाँच**
  - ❖ मन्दिर के समीप वापी एवं सरोवर का निर्माण
  - ❖ मन्दिर वटिका एवं मन्दिर परिसर में वृक्षविचार
- **इकाई - छः**
  - ❖ जलाशयारामसुरप्रतिष्ठामुहूर्त्त
- **इकाई - सात**
  - ❖ देवप्रतिष्ठा मुहूर्त्त, उग्रप्रकृति के देवताओं की प्रतिष्ठा, चल एवं अचल प्रतिष्ठा, देवप्रतिष्ठा में लग्नशुद्धि

पाठ्य-ग्रन्थ	**लेखक / सम्पादक**	**प्रकाशक**
बृहद्-वास्तुमाला तृतीय अध्याय संस्करण १८८६	**पं० रामनिहोर द्विवेदी**	चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
संदर्भ-ग्रन्थ		
१. **बृहत् संहिता प्रासादलक्षणाध्याय**	**प्रो० कृष्णचन्द्र द्विवेदी**	सं.सं.वि.वि., वाराणसी
२. **भारतीय वास्तु विद्या**	**डॉ० बिहारी लाल शर्मा**	मान्यता–प्रकाशन, ६० सी, माया कुंज मायापुरी, नई दिल्ली–६
३.**देवालयस्थापत्यम्**	**डा. देशबन्धु**	श्रीकृष्ण साहित्य सदन, सन्तनगर नई दिल्ली

वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष, द्वितीय सत्र - पञ्चम पत्र

- **प्रायोगिक (आवासीय वास्तु)**

संदर्भ–ग्रन्थ — वास्तुदोष कारण एवं निवारण लेखक/सम्पादक
प्रथम–संस्करण २००५ **प्रो० शुकदेव चतुर्वेदी**

वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र - प्रथम पत्र

❑ **इकाई - एक**

❖ गृह निर्माण का प्रयोजन, वास्तु के विचार में प्रसिद्ध नाम की ग्राह्यता, अवर्गादि अष्टवर्ग विचार, मण्डल साधन, मण्डलेश विचार

❑ **इकाई - दो**

❖ शल्यज्ञान, खोदने से मिली वस्तुओं का शुभाशुभ फल, दिक्शुद्धि, दिक्साधन की द्विविध–रीतियाँ

❑ **इकाई - तीन**

❖ नक्षत्रराश्यादि कल्पना, इष्ट आय कल्पना, पिण्डानयन, आयज्ञान, आय के शुभाशुभ फल, आय का प्रयोजन, आय–व्यय विचार, इन्द्रादि अंश साधन

❑ **इकाई - चार**

❖ राजा का गृहपिण्ड, सेनापति का गृहपिण्ड, मन्त्री का गृहपिण्ड, रानी का गृहपिण्ड, युवराज का गृहपिण्ड, सामान्तों के गृहपिण्ड, वैश्या, कलाविद्, धर्माध्यक्ष, वैद्य एवं राजपुरोहितों के गृहपिण्ड

पाठ्य-ग्रन्थ	**लेखक / सम्पादक**	**प्रकाशक**
संग्रह-शिरोमणि प्रथम–संस्करण १९९६ अध्याय २० वां	**पं० कमलाकान्त शुक्ल**	सं.सं.वि.वि., वाराणसी
सन्दर्भ-ग्रन्थ		
१. भारतीय वास्तु विद्या सम्पूर्ण	**डॉ० बिहारीलाल शर्मा**	मान्यता–प्रकाशन, ६० सी, मायां कुंज मायापुरी, नई दिल्ली–६४
२. वास्तुसार सम्पूर्ण	**डॉ० देवीप्रसाद त्रिपाठी**	परिक्रमा–प्रकाशन, शाहदरा, नई दिल्ली
३. वास्तुप्रबोधिनी	**डा. अशोक थपलियाल**	अमरग्रन्थ पब्लिकेशन्स, विजयनगर दिल्ली – ११०००६

वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र - द्वितीय पत्र

❑ **इकाई - एक**

❖ वास्तु के भेद, आवासीय, व्यावसायिक एवं धार्मिक वास्तु, व्यावसायिक वास्तु का स्वरूप, प्राचीन काल और वर्तमान सन्दर्भ में भवन निर्माण

❑ **इकाई - दो**

❖ व्यावसायिक परिसर, स्थानीय विपणन केन्द्र, व्यावसायिक भूमि एवं भूखण्ड के गुण–दोष

❑ **इकाई - तीन**

❖ दुकान और दुकान का दरवाजा, दुकान में मालिक की गद्दी, सेल्समेन एवं ग्राहक के बैठने की स्थिति, शोकेस एवं कैशबाक्स का स्थान, शोरूम, शोरूम का इण्टिरियर

❑ **इकाई - चार**

❖ कार्यालय, कार्यालय का द्वार, प्रतीक्षा–स्थल, स्वागत–कक्ष, बैठने की व्यवस्था, कार्यालय में मालिक या सर्वोच्च अधिकारी का स्थान, उसके बैठने की व्यवस्था, कार्यालय में अन्य कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था आदि

❑ **इकाई - पाँच**

❖ होटल, रिसार्ट, होटल के कमरे, रेस्टोरेंट, बार, रिक्रियेशन रूम, अन्दर की दुकान, शोरूम आदि

पाठ्य-ग्रन्थ	**लेखक / सम्पादक**	**प्रकाशक**
१.व्यावसायिक वास्तुशास्त्र	**प्रो० शुकदेव चतुर्वेदी**	विद्यापीठ
प्रथम–संस्करण २००२		
२.वास्तुप्रबोधिनी	**डा. अशोक थपलियाल**	अमरग्रन्थ पब्लिकेशन्स, विजयनगर दिल्ली – ११०००६

वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र - तृतीय पत्र

- **इकाई - एक**
  - ❖ वास्तुशास्त्र के ५० सूत्रों का कण्ठस्थीकरण

- **इकाई - दो**
  - ❖ गृहवर्धन, सोपान व्यवस्था, द्वार वेध विचार, कपाट दोष, द्वार प्रमाण

- **इकाई - तीन**
  - ❖ आंगन व अलिन्द विचार, गवाक्ष विचार

- **इकाई - चार**
  - ❖ आवासीय भवन में विभिन्न कक्षों की वैकल्पिक दिशायें

- **इकाई - पाँच**
  - ❖ ड्राईंग रूम, अध्ययन कक्ष, अतिथि कक्ष, बरामदा एवं पोल्टिकों के लिए स्थान का निर्धारण

पाठ्य-ग्रन्थ	**लेखक / सम्पादक**	**प्रकाशक**
वास्तुदोष कारण एवं निवारण	**प्रो० शुकदेव चतुर्वेदी**	
प्रथम–संस्करण २००५		
सम्पूर्ण		

सन्दर्भ-ग्रन्थ

१. भारतीय वास्तुशास्त्र	**प्रो० शुकदेव चतुर्वेदी**	श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
२. भारतीय वास्तुविद्या	**डॉ० बिहारी लाल शर्मा**	मान्यता–प्रकाशन, ६० सी., मायाकुंज मायापुरी, नई दिल्ली–६४
३. वास्तुसार	**डॉ० देवीप्रसाद त्रिपाठी**	परिक्रमा–प्रकाशन, १/१३ गोकुलपुर, शाहदरा दिल्ली–१४
२, ३, ४, ५, ६, ७, १०परिशिष्ट		
४. वास्तुप्रबोधिनी	**डा. अशोक थपलियाल**	अमरग्रन्थ पब्लिकेशन्स, विजयनगर दिल्ली – ११०००६

वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र - चतुर्थ पत्र

❑ **इकाई - एक**

❖ वास्तु शान्ति परिचय, विश्वकर्मप्रकाश के अनुसार वास्तु शान्ति की प्रविधि

❑ **इकाई - दो**

❖ स्वस्ति–वाचन, गणपति स्मरण, संकल्प एवं गणपति पूजन मन्त्र सहित

❖ **नोट :** वैदिक या पौराणिक मन्त्रों का प्रयोग किया जा सकता है।

❑ **इकाई - तीन**

❖ कलश स्थापना, कलश पूजन, पुण्याहवाचन, अभिषेक, षोडशमातृका पूजन, वसोर्धारा पूजन, आयुष्य मन्त्र जप

❑ **इकाई - चार**

❖ नान्दी श्राद्ध, भूमि प्रोक्षण, आचार्य, ब्रह्मा एवं ऋत्विजों का वरण

❑ **इकाई - पाँच**

❖ योगिनियों का आवाहन, स्थापन एवं पूजन, क्षेत्रपाल का आवाहन, स्थापना एवं पूजन

पाठ्य-ग्रन्थ	**लेखक / सम्पादक**	**प्रकाशक**
वास्तुदोष कारण एवं निवारण	**प्रो० शुकदेव चतुर्वेदी**	
सन्दर्भ-ग्रन्थ		
१.विश्वकर्मप्रकाश	**विश्वकर्मा**	खेमराज श्री कृष्णदास, मुम्बई
प्रथम–संस्करण		
२.वास्तुप्रबोधिनी	**डा. अशोक थपलियाल**	अमरग्रन्थ पब्लिकेशन्स, विजयनगर दिल्ली – ११०००६

वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र - प्रथम पत्र

❑ **इकाई - पाँच**

❖ निर्माण सामग्री के आधार पर भवन प्रकार, भवनाकृति

❖ जल व्यवस्था, जल निकास व्यवस्था

❑ **इकाई - छः**

❖ मकान के निर्माण की लकड़ी, वर्जनीय वृक्ष एवं लकड़ी, वृक्षछेद–विचार, वृक्ष–छेदन की प्रार्थना, पुरानी लकड़ी का निषेध

❑ **इकाई - सात**

❖ गृहनिर्माण हेतु वृक्षछेदन मुहूर्त्त, काष्ठ संस्कार

पाठ्य-ग्रन्थ	**लेखक / सम्पादक**	**प्रकाशक**
संग्रह-शिरोमणि प्रथम–संस्करण १९९६ अध्याय २० वां	**पं० कमलाकान्त शुक्ल**	सं.सं.वि.वि., वाराणसी
सन्दर्भ-ग्रन्थ		
१. भारतीय वास्तु विद्या सम्पूर्ण	**डॉ० बिहारीलाल शर्मा**	मान्यता–प्रकाशन, ६० सी, माया कुंज मायापुरी, नई दिल्ली–६४
२. वास्तुसार सम्पूर्ण	**डॉ० देवीप्रसाद त्रिपाठी**	परिक्रमा–प्रकाशन, शाहदरा, नई दिल्ली
३. वास्तुप्रबोधिनी	**डा. अशोक थपलियाल**	अमरग्रन्थ पब्लिकेशन्स, विजयनगर दिल्ली – ११०००९

वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र - द्वितीय पत्र

❑ **इकाई - छः**

❖ गेस्ट हाउस एवं होस्टल, रहने के कमरे, भोजनकक्ष, प्रतीक्षाकक्ष, चिकित्साकक्ष, मनोरंजनकक्ष, तरणताल, रेस्टोरेंट, रिसेप्शन, पैन्ट्री में बैठने की व्यवस्था

❑ **इकाई - सात**

❖ अस्पताल, नर्सिंग होम, डिस्पेंसरी, अस्पताल का मुख्यद्वार, पार्किंग एवं रिसेप्शन, कुआँ, बोरिंग सिवेज, इमरजेंसी वार्ड, गहन चिकित्सा कक्ष, मैटरनिटी वार्ड, प्रसूतिका कक्ष, ऑपरेशन थियेटर, रोगियों के सामान्य कमरे, लैब, फिजियोथैरेपी कक्ष, ओ.पी.डी. विभाग, मुर्दाघर और स्टाफ क्वार्टर

❑ **इकाई - आठ**

❖ सिनेमा/थियेटर, भूखण्ड की आकृति, चलचित्र का पर्दा, मशीन, दर्शकों की कुर्सियां, सिनेमाघर का ऑफिस, टिकटों के बिक्री काउण्टर, कैंटीन, सार्वजनिक सुविधायें, पार्किंग, मैंटिनेंस कक्ष, जैनरेटर कक्ष

❑ **इकाई - नौ**

❖ स्कूल, कॉलेज एवं विश्वविद्यालय, शिक्षा संस्थाओं के भूखण्ड का आकार, तीन या चार खण्डों में भवन निर्माण, पुस्तकालय, छात्रावास, प्रयोगशाला, कार्यालय, स्टाफ रूम, कक्षाओं की व्यवस्था, खेल के मैदान, स्टाफ क्वार्टर तथा अन्य सुविधायें

❑ **इकाई - दस**

❖ औद्योगिक वास्तु, औद्योगिक वास्तु के भेद, कुटीर उद्योग, लघु उद्योग एवं भारी उद्योग, भूखण्ड का चयन, वर्कशॉप, जनरेटिंग प्लांट, ट्रांसफार्मर, बायलर, अण्डरग्राउण्ड टैंक, ओवरहैड टैंक, कच्चे माल का स्टोर, बने बनाये माल का स्टोर, पैकिंग यूनिट, रिसर्च एवं डेवलपमेंट यूनिट, कार्यालय एवं स्टाफ क्वार्टर आदि

पाठ्य-ग्रन्थ	**लेखक / सम्पादक**	**प्रकाशक**
व्यावसायिक वास्तुशास्त्र	**प्रो० शुकदेव चतुर्वेदी**	
प्रथम–संस्करण २००२		
सन्दर्भ-ग्रन्थ		
१. वास्तुप्रबोधिनी	**डा. अशोक थपलियाल**	अमरग्रन्थ पब्लिकेशन्स, विजयनगर दिल्ली – ११०००९

वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र - तृतीय पत्र

- **इकाई - छः**
  - ❖ वास्तु विरूद्ध नक्शे एवं उनका संशोधन
- **इकाई - सात**
  - ❖ भवन के भीतर वास्तु विरूद्ध इण्टिरियर और उसका परिहार
- **इकाई - आठ**
  - ❖ कुआँ, बोरिंग, सेप्टिक टैंक, ओवरहेड टैंक आदि का विचार
- **इकाई - नौ**
  - ❖ गृह दोष, गृह सज्जा
- **इकाई - दस**
  - ❖ शिलान्यास की प्रविधि, गृह प्रवेश विधि

पाठ्य-ग्रन्थ	**लेखक / सम्पादक**	**प्रकाशक**
वास्तुदोष कारण एवं निवारण प्रथम–संस्करण २००५	**प्रो० शुकदेव चतुर्वेदी**	
सन्दर्भ-ग्रन्थ		
१. भारतीय वास्तुशास्त्र	**प्रो० शुकदेव चतुर्वेदी**	श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
२. भारतीय वास्तुविद्या	**डॉ० बिहारी लाल शर्मा**	मान्यता–प्रकाशन, ६० सी., मायाकुंज मायापुरी, नई दिल्ली–६४
३. वास्तुसार २,३,४,५,६,७,१० परिशिष्ट	**डॉ० देवीप्रसाद त्रिपाठी**	परिक्रमा–प्रकाशन, १/१३ गोकुलपुर, शाहदरा दिल्ली–१४
४. वास्तुप्रबोधिनी	**डा. अशोक थपलियाल**	अमरग्रन्थ पब्लिकेशन्स, विजयनगर दिल्ली – ११०००६

वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र - चतुर्थ पत्र

- **इकाई - छः**
  - ❖ अग्नि स्थापना, नवग्रहों का स्थापन एवं पूजन

- **इकाई - सात**
  - ❖ वास्तुमण्डल देवताओं का आवाहन, स्थापन एवं पूजन

- **इकाई - आठ**
  - ❖ ग्रह हवन, वास्तु देवताओं का होम

- **इकाई - नौ**
  - ❖ बलिदान, पूर्णाहुति, त्रिसूत्रवेष्टन, जलदुग्धधारा एवं ध्वजापताकास्थापन

- **इकाई - दस**
  - ❖ गर्तविधि, गर्त में वास्तु पुरूष पूजन, प्रार्थना, उत्तर पूजन, अभिषेक एवं विसर्जन

पाठ्य-ग्रन्थ	**लेखक / सम्पादक**	**प्रकाशक**
वास्तुदोष कारण एवं निवारण	**प्रो० शुकदेव चतुर्वेदी**	
सन्दर्भ-ग्रन्थ		
१.विश्वकर्माप्रकाश	**विश्वकर्मा**	खेमराज श्री कृष्णदास, मुम्बई
प्रथम–संस्करण		
२. वास्तुप्रबोधिनी	**डा. अशोक थपलियाल**	अमरग्रन्थ पब्लिकेशन्स, विजयनगर दिल्ली – ११०००६

वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र - पंचम पत्र

प्रायोगिकः	**व्यावसायिक वास्तु**
सन्दर्भ-ग्रन्थ	**लेखक/सम्पादक**
व्यावसायिकवास्तु	**शुकदेव चतुर्वेदी**